संख्या-542/2023/2829/22-2-2022-17(453)/2021

प्रेषक,

मदन मोहन,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/ महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 21 अगस्त, 2023

विषय:- केन्द्रीय कारागार वाराणसी में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी जीतन कुर्मी पुत्र श्री केदार कुर्मी, निवासी जनपद-बलिया की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ अधीक्षक (मु0), कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं उ0प्र0, लखनऊ के पत्र संख्या-30261/प्रोबेशन-3-फार्म-ए/(एम-29-08-2022) दिनांक-23-09-2022 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, वाराणसी में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी जीतन कुर्मी पुत्र श्री केदार कुर्मी, जो ग्राम-मल्लाहीचक, थाना-बांसडीह, जनपद-बलिया का निवासी है। पुलिस का सहयोग किये जाने की रंजिश को लेकर दिनांक 04-07-2007 को बन्दी ने अपने 13 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर कट्टे से गोली मारकर राधाकिशुन व स्वामीनाथ नामक 02 व्यक्तियों की हत्या कर दी तथा लक्ष्मण नामक व्यक्ति को घायल कर दिया। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-217/2008 में भा0द0वि0 की धारा-148, 302, 307/149 में मा0 न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश, एक्स कैडर, बलिया के आदेश दिनांक 07.03.2013 द्वारा मृत्युदण्ड की सजा से दण्डित किया गया। मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश दिनांक 21-12-2015 द्वारा मृत्युदण्ड की सजा को आजीवन कारावास में परिवर्तित किया गया। दिनांक 30.06.2022 तक बन्दी की आयु 45 वर्ष 07 माह 09 दिन है तथा बन्दी द्वारा 14 वर्ष 10 माह 29 दिन की अपरिहार सजा तथा 16 वर्ष 01 माह 24 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, बलिया द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा कारित अपराध से समाज में भय व्याप्त होने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने की आख्या अंकित करते हुये समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि पुलिस का सहयोग किये जाने की रंजिश को लेकर दिनांक 04-07-2007 को बन्दी ने अपने 13 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर कट्टे से गोली मारकर राधाकिशुन व स्वामीनाथ नामक 02 व्यक्तियों की हत्या करने तथा लक्ष्मण नामक व्यक्ति को घायल करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी द्वारा कारित अपराध से समाज में भय व्याप्त होने का अंकन, जनपदीय अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में किया गया है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी जीतन कुर्मी पुत्र श्री केदार कुर्मी को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

3- अत: उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि केन्द्रीय कारागार वाराणसी में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी जीतन कुर्मी (बन्दी संख्या-377/2014) पुत्र श्री केदार कुर्मी, निवासी जनपद-बलिया को यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत फार्म-ए के आधार पर मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की फार्म-ए/लाइसेन्स पर मुक्ति सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तद्नुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतदद्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
मदन मोहन
विशेष सचिव।

संख्या-542/2023/2829(1)/22-2-2022 तद्दिनांक...

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, बलिया।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार वाराणसी।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
5- नोडल अधिकारी/अधीक्षक जिला कारागार, गाजियाबाद को मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका-5048/2022 जीतन कुर्मी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 23.03.2022 के सन्दर्भ में।
6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
अजय कुमार तिवारी
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश संख्या-542/2023/2829/22-2-2022-17(453)/2021

दिनांक 21 अगस्त, 2023 का संलग्नक

सरकार के आदेश

केन्द्रीय कारागार, वाराणसी में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी जीतन कुर्मी पुत्र श्री केदार कुर्मी, जो ग्राम-मल्लाहीचक, थाना-बांसडीह, जनपद-बलिया का निवासी है। पुलिस का सहयोग किये जाने की रंजिश को लेकर दिनांक 04-07-2007 को बन्दी ने अपने 13 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर कट्टे से गोली मारकर राधाकिशुन व स्वामीनाथ नामक 02 व्यक्तियों की हत्या कर दी तथा लक्ष्मण नामक व्यक्ति को घायल कर दिया। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-217/2008 में भा0द0वि0 की धारा-148, 302, 307/149 में मा0 न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश, एक्स कैडर, बलिया के आदेश दिनांक 07.03.2013 द्वारा मृत्युदण्ड की सजा से दण्डित किया गया। मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश दिनांक 21-12-2015 द्वारा मृत्युदण्ड की सजा को आजीवन कारावास में परिवर्तित किया गया। दिनांक 30.06.2022 तक बन्दी की आयु 45 वर्ष 07 माह 09 दिन है तथा बन्दी द्वारा 14 वर्ष 10 माह 29 दिन की अपरिहार सजा तथा 16 वर्ष 01 माह 24 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, बलिया द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा कारित अपराध से समाज में भय व्याप्त होने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने की आख्या अंकित करते हुये समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि पुलिस का सहयोग किये जाने की रंजिश को लेकर दिनांक 04-07-2007 को बन्दी ने अपने 13 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर कट्टे से गोली मारकर राधाकिशुन व स्वामीनाथ नामक 02 व्यक्तियों की हत्या करने तथा लक्ष्मण नामक व्यक्ति को घायल करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी द्वारा कारित अपराध से समाज में भय व्याप्त होने का अंकन, जनपदीय अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में किया गया है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी जीतन कुर्मी पुत्र श्री केदार कुर्मी को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा बन्दी की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

मदन मोहन
विशेष सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।